Disclaimer

The Institute has given the right of translation of the material in hindi and is not responsible for the quality of the translated version. While due care has been taken to ensure the quality of the original material. If any errors or omissions are noticed in Hindi then kindly refer with English version.

© The Institute of Chartered Accountants of India

इण्टरमीडिएट पाठ्यक्रम

Intermediate Course

अध्ययन सामग्री

Study Material

पेपर 8A

(Paper 8A

वित्तीय प्रबंधन

Financial Management

(मॉड्यूल – 1 से 2)

(Module - 1 of 2)

बोर्ड ऑफ स्टडीज

दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेण्ट्स ऑफ इण्डिया

© The Institute of Chartered Accountants of India

यह अध्ययन सामग्री बोर्ड ऑफ स्टडीज द्वारा तैयार की गई अंग्रेजी अध्ययन सामग्री का हिन्दी रूपान्तरण है। इस अध्ययन सामग्री को तैयार करने का उद्देश्य विद्यार्थियों को विषय का ज्ञान और कौशल प्रदान करना है। यदि विद्यार्थियों को किसी भी स्पष्टीकरण की आवश्यकता हो या वे इसमें सन्निहित सामग्री में आगे सुधार हेतु कोई सुझाव देना चाहें तो वे अध्ययन मण्डल के निदेशक को मुक्त रूप से लिख सकते हैं।

छात्रों के लिए निर्वचनों एवं विवेचनों को उपयोगी बनाने के लिए पूरी सावधानी बरती गई है, लेकिन अध्ययन सामग्री का संस्थान के परिषद् या किसी भी समिति द्वारा विशिष्ट तौर से विवेचन नहीं किया गया है तथा इसमें व्यक्त विचारों को अनिवार्यतः परिषद् या उसकी किसी समिति के विचारों का अंग नहीं माना जाता है।

इस सामग्री के किसी भी भाग को उद्धृत करने के लिए संस्थान की आज्ञा आवश्यक है।

© दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट्स ऑफ इण्डिया

सर्वाधिकार सुरक्षित इस पुस्तक के किसी भी भाग के प्रकाशक की लिखित पूर्व अनुमति के बिना उद्धृत, यांत्रिक प्रणाली में भण्डारित या संचारित अथवा किसी भी रूप में इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक, फोटो कॉपिंग, रिकॉर्डिंग या अन्यथा संचारित नहीं किया जा सकता है।

संस्करण : जुलाई, 2019

विभाग/समिति : बोर्ड ऑफ स्टडीज

ई–मेल : bosnoida@icai.in

वेबसाइट : www.icai.org

आईएसबीएन नं. : 978-81-8441-889-7

मूल्य : ₹ 270/- (सभी भागों के लिए)

प्रकाशक : प्रकाशक विभाग, दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट्स ऑफ इण्डिया, आई.सी.ए.आई. भवन, पोस्ट बॉक्स 7100, इन्द्रप्रस्थ मार्ग, नई दिल्ली 110 002, इण्डिया।

बोर्ड ऑफ स्टडीज द्वारा डिजाइन और टाइप किया गया है।

मुद्रक : साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, हॉस्पीटल रोड, आगरा□282 003 जुलाई/2019/P2514 (संशोधित)

© The Institute of Chartered Accountants of India

शुरू करने से पहले....

लेखांकन और लेखा परीक्षा के लिए प्रतिबंधित चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट की पारंपरिक भूमिका, अब काफी हद तक बदल गई है और रणनीतिक निर्णय लेने और उद्यमी भूमिकाओं की ओर एक महत्वपूर्ण बदलाव है जो पारंपरिक वित्तीय रिपोर्टिंग से परे मूल्य जुड़ते हैं। परिवर्तन के लिए जिम्मेदार कुछ प्राथमिक कारक हैं कानूनों की अधिकता के कारण बढ़ती व्यावसायिक जटिलताएँ, ई–कॉमर्स में विशाल छलांग के परिणामस्वरूप सीमाहीन अर्थव्यवस्थाएं, नए वित्तीय साधनों के अवधारण, कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी पर जोर, सूचना प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण विकास। इन कारकों को चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट की क्षमता में केवल एक एकाउण्टेण्ट या लेखा परीक्षक की ही नहीं बल्कि एक वैश्विक समाधान प्रदाता की भूमिका निभाने की आवश्यकता है। इस दिशा में शिक्षा और प्रशिक्षण की योजना की लगातार समीक्षा की जा रही है ताकि यह गतिशील वैश्विक वातावरण की आवश्यकताओं के अनुरूप हो। नई भूमिकाएं लेने के लिए अपेक्षित व्यावसायिक योग्यता प्राप्त करने के लिए इच्छुक चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट को सक्षम करने के लिए दक्षता की लगातार समीक्षा की जा रही है।

शिक्षा और प्रशिक्षण की संशोधित योजना के तहत, मध्यवर्ती स्तर पर, आपको उम्मीद है कि आप न केवल व्यावसायिक ज्ञान प्राप्त करेंगे बल्कि समस्या को सुलझाने में इस तरह के ज्ञान को लागू करने की क्षमता भी प्राप्त करेंगे। सीखने की प्रक्रिया को भी आवश्यक व्यावसायिक कौशल अर्थात् वांछित पेशेवर दक्षता प्राप्त करने के लिए आवश्यक बौद्धिक कौशल और संचार कौशल को विकसित करने में मदद करना चाहिए।

पूरे पाठ्यक्रम को ग्यारह अध्यायों में बाँटा गया है अध्याय को दो भागों में बाँटा गया है :

भाग - 1 इसमें छह अध्याय शामिल हैं :

पाठ-1 : वित्तीय प्रबंधन का उद्देश्य एवं व्यापकता

पाठ-2 : वित्तीयन के प्रकार

पाठ-3 : वित्तीय विश्लेषण एवं नियोजन–अनुपात विश्लेषण

पाठ-4 : पूँजी की लागत

पाठ-5 : वित्तीयन निर्णय–पूँजी संरचना

पाठ-6 : वित्तीय निर्णय–उत्तोलन

भाग - 2 इसमें चार अध्याय शामिल हैं :

पाठ-7 : निवेश निर्णयन

पाठ-8 : पूँजी बजटन में जोखिम विश्लेषण

पाठ-9 : लाभांश निर्णयन

पाठ-10 : सक्रिय पूँजी का प्रबंधन

© The Institute of Chartered Accountants of India

इंटरमीडिएट स्तर पर प्रत्येक अध्याय के लिए सामग्री को निम्नलिखित तरीके से संरचित किया गया है

1. **अध्ययन परिणाम**—प्रत्येक विषय को सीखने के बाद प्रदर्शित होने वाले परिणामों को प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ में विस्तृत किया गया है। इन शिक्षण परिणामों का प्रदर्शन आपको तकनीकी क्षमता के वांछित स्तर को प्राप्त करने में मदद करेगा।

2. **अध्याय अवलोकन**—जैसा कि नाम से पता चलता है, इस चार्ट/तालिका अध्याय में सामग्री का एक व्यापक ढांचा देगा।

3. **परिचय**—एक संक्षित परिचय प्रत्येक अध्याय की शुरुआत में दिया गया है, जो आपको विषय का अनुभव प्राप्त करने में मदद करेगा।

4. **सामग्री**—प्रत्येक अध्याय में, विषय 'विषय दर विषय' दृष्टिकोण के तहत शामिल किए गए हैं। आवश्यकता के अनुसार उदाहरण/चित्र/आरेख/प्रवाह चार्ट की सहायता से छात्र–अनुकूल तरीके से अवधारणाओं को समझाया गया है। ये मूल्य अतिरिक्त आपको वैचारिक स्पष्टता विकसित करने और विषय की अच्छी समझ पाने में मदद करेंगे। आरेख और प्रवाह चार्ट आपको अवधारणाओं को बेहतर तरीके से समझने में मदद करेंगे। चित्र आपको अवधारणाओं/प्रावधानों के अनुप्रयोग को समझने में मदद करेंगे।

5. **उत्तरों के साथ उदाहरण**—प्रत्येक विषय पर चर्चा के बाद, अध्ययन सामग्री में चित्रों और उदाहरणों को व्यवस्थित रूप से शामिल किया गया है, ताकि अवधारणा के आवेदन को बहुत स्पष्ट रूप से समझाा जा सके। यह आपको अपने अनुप्रयोग कौशल को सीखने और तेज करने और आपकी समझ का परीक्षण करने के लिए सक्षम भी करेगा।

6. **आइये हम दोहरायें**—अध्याय का सारांश अंत में दिया जाता है ताकि आपने जो सीखा है उसे संशोधित करने में सहायता हो जाये। यह विशेष रूप से परीक्षा से पहले दिन जल्दी अध्यायों को संशोधित करने में आपकी मदद करेगी।

7. **आपके ज्ञान का परीक्षण**—इसमें कई विकल्प प्रश्न, सैद्धान्तिक प्रश्न और समाधान के साथ व्यावहारिक समस्याएँ शामिल हैं जो विषय की आपकी समझ की चौड़ाई और गहराई का परीक्षण करते हैं।

8. **कौशल विनिर्देश मूल्यांकन** : छात्रों की बेहतर समझ के लिए अध्ययन सामग्री में एक संकेत कौशल विनिर्देश मूल्यांकन ग्रिड को शामिल किया गया है। तद्नुसार प्रश्न/उदाहरण/अभ्यास की व्यवस्था करने का प्रयास किया गया है।

© The Institute of Chartered Accountants of India

9. इस अध्ययन सामग्री में, वित्तीय विवरणों के प्रारूप (जो कि तुलन–पत्र, आय विवरण आदि) और उपयोग की गई वित्तीय शर्तें केवल उदाहरण के लिए हैं। विभिन्न मानकों के उपयुक्त प्रारूप और प्रयोज्यता के लिए छात्रों को उचित विषय (s) की अध्ययन सामग्री को सन्दर्भित करने की सलाह दी जाती है।

आगे अध्ययन सामग्री में निहित समाधान/उत्तर कुछ मान्यताओं पर आधारित हो सकते हैं और अन्य तार्किक वैकल्पिक धारणा/दृष्टिकोण/प्रस्तुति सम्भव हो सकते हैं।

अध्ययन समाग्री को त्रुटिपूर्ण बनाने के लिए हर सम्भव प्रयास किया गया है, हालांकि यदि अंजाने में कोई त्रुटि मौजूद है और पाठकों द्वारा पाया जाता है तो वे तुरन्त इसे भेज सकते हैं ताकि इसे ठीक किया जा सके।

अगर आपको किसी और स्पष्टीकरण/मार्गदर्शन की आवश्यकता है, तो आप अपने प्रश्नों को nnsengupta@icai.in पर भेज सकते हैं।

पढ़ने का आनंद लें एवं शुभकामनाएँ।

© The Institute of Chartered Accountants of India

कौशल विनिर्देश मूल्यांकन सूची
(Skill Specification Assessment Grid)

कौशल स्तर (Skill Level)	**कुशलता मूल्यांकन का तरीका** (Manner of Assessment of Skills)	**सीखने के परिमाण में प्रयुक्त उदाहरणात्मक क्रियाएँ** (Illustrative Verbs used to construct learning outcomes
स्तर–I : समझा का ज्ञान	समझने या पकड़ने की योग्यता (प्रासंगिक विषय क्षेत्रों से सम्बन्धित अवधारणा, प्रावधानों, सिद्धांतों, विचारधाराओं को परिभाषित करना, उनके बारे में बताना, सूचीबद्ध करना, पहचान एवं व्याख्या करना।)	सूची–विवरण का पूर्ण या स्पष्ट तरीके से उल्लेख करते हुए स्थितियों की सूची तैयार करना परिभाषित करना–सटीक अर्थ की व्याख्या करना। वर्णन करना–किसी चीज या विशेषताओं का विस्तृत वर्णन देना। अन्तर करना–बीच के अन्तर का उल्लेख करना एवं उभारना। व्याख्या करना–अर्थ बताना। पहचान करना–किसी को पहचानना। उदाहरणात्मक करना–किसी वस्तु को एक उदाहरण के साथ व्याख्या करना एवं मिलती–जुलती क्रियाएं। **क्रियाओं का संयोजन** (Combination of verbs) : समझना एवं व्याख्या करना, पहचानना एवं व्याख्या करना एवं मिलती–जुलती क्रियाएं।
स्तर–II : आवेदन एवं विश्लेषण	गृहण करने के स्तर के दौरान विचारधाराओं को विश्लेषित व आवेदित करना। (आवेदन : गैर–जटिल परिस्थितियों में समस्या हल करने में, विचारधाराओं/प्रावधानों/अवधारणाओं/सिद्धांतों को आवेदित करना।)	**आवेदन** : आवेदित करना–प्रयोगात्मक उद्देश्य के लिए सैद्धांतिक ज्ञान का प्रयोग करना। गणना करना–गणितीय/विश्लेषण प्रक्रिया के द्वारा कुछ निष्कर्षों पर पहुँचना। लेखा करना–गणितीय/विश्लेषण प्रक्रिया द्वारा कुछ निष्कर्षों पर पहुँचना। निर्धारित करना–गणना या कार्यों के द्वारा सटीक निश्चय या स्थापना करना।

© The Institute of Chartered Accountants of India

		ढूँढ़ना / बाहर निकालना–गणना या कार्यों के द्वारा सटीक निश्चय या स्थापना करना। प्रदर्शन करना–प्रयोगात्मक अर्थों का प्रयोग करते हुए निश्चितता के साथ किसी वस्तु को सिद्ध करना। तैयार करना–किसी प्रयोग के लिए किसी वस्तु को तैयार करना। समाधान करना–स्थिरता / अनुकूलता बनाये रखना या सिद्ध करना। हल करना–किसी वस्तु का उत्तर या हल ढूँढ़ना। सूचीबद्ध करना–अपेक्षित सूचना को तालिका के रूप में प्रदर्शित करना। क्रियाओं का संयोजन (Combination of verbs)–तुलना करना एवं विषमता एवं मिलती–जुलती क्रियाएँ।
	(**विश्लेषण** : मध्यम जटिल परिस्थितियों में समस्याएं हल करने में विचाारधाराओं / प्रावधानों / अवधारणाओं / सिद्धान्तों को आवेदित करना, तुलना करना एवं विश्लेषित करना)	**विश्लेषण** : विश्लेषित करना–किसी का विस्तृत परीक्षण। समूहीकरण–किसी वस्तु को पूर्व–निर्धारित समूह या वर्ग या विभाग में क्रमबद्ध करना। तुलना करना–अन्तर एवं समानताओं के बीच परीक्षण। निर्माण करना–बनाना या संकलन करना। चर्चा करना–किसी के बारे में लिखना या विस्तृत परीक्षण करना। व्याख्या करना–सुगम या परिचित या समझने योग्य तथ्यों में अनुवाद करना। क्रियाओं का संयोजन (Combination of verbs) : विश्लेषण करना एवं आवेदित करना एवं मिलती–जुलती क्रियाएँ।

© The Institute of Chartered Accountants of India

© The Institute of Chartered Accountants of India

पाठ्यक्रम (Syllabus)

पेपर–8 : वित्तीय प्रबन्धन तथा वित्त के लिए अर्थशास्त्र

(Paper-8 : Financial Management and Economics for Finance

(एक पेपर–तीन घण्टे–100 अंक)

खण्ड–A : वित्तीय प्रबन्धन (अंक–60)

उद्देश्य :

वित्तीय प्रबंधन के विभिन्न पक्षों की समझ को विकसित करना और निर्णय लेने में इस ज्ञान को लागू करने की क्षमता को अर्जित करना।

1. वित्तीय प्रबंधन एवं वित्तीय विश्लेषण

(i) वित्तीय प्रबंधन फलन का परिचय

(क) वित्तीय प्रबंधन का उद्देश्य एवं व्यापकता

(ख) भूमिका एवं प्रयोजन

(ग) वित्तीय प्रबंधन पर्यावरण

(घ) एक संगठन में वित्त प्रबन्धकों के कार्य

(ङ) वित्तीय आपदा एवं ऋणशोधनक्षमता।

(ii) अनुपातों के द्वारा वित्तीय विश्लेषण

(क) वित्तीय विश्लेषण के उपयोगकर्ता

(ख) विश्लेषण के लिए वित्तीय डाटा के स्रोत

(ग) अनुपातों की गणना एवं स्पष्टीकरणः

- नकदी का विश्लेषण
- उत्तोलन का विश्लेषण
- ऋणशोधनक्षमता का विश्लेषण
- निपुणता/क्रियाशीलता का विश्लेषण
- लाभप्रदता का विश्लेषण

(घ) अनुपात विश्लेषण की सीमाएँ।

2. वित्तीयन निर्णय

(i) वित्त के स्रोत

(क) वित्त के विभिन्न स्रोत, दीर्घकालीन ऋण एवं शेयर वित्त के विभिन्न प्रकारों की विशेषताएँ, दीर्घकालिक वित्त जुटाने की विधि :

(ख) लघुकालीन वित्त के विभिन्न स्रोत

© The Institute of Chartered Accountants of India

(ग) वित्त के स्रोत के रूप में आंतरिक पूँजी

(घ) वित्त के अंतर्राष्ट्रीय स्रोत

(ङ) वित्त के अन्य स्रोत बिक्री तथा पट्टे पर वापसी करना, परिवर्तनीय ऋण, उद्यम, पूँजी, वृत्ति आदि।

(ii) पूँजी की लागत

(क) पूँजी की लागत का महत्व

(ख) पूँजी की लागत के कारक

(ग) पूँजी के विशिष्ट पुर्जों की लागतों का माप

(घ) पूँजी की भारित औसत लागत (WACC)

(ङ) पूँजी की सीमांत लागत

(च) प्रभावी ब्याज दर।

(iii) पूँजी संरचना निर्णय

(क) पूँजी संरचना का महत्व

(ख) पूँजी संरचना के निर्धारक

(ग) पूँजी संरचना नियोजन एवं रूपांकन

(घ) अनुकूलतम पूँजी संरचना का रूपांकन

(ङ) पूँजी संरचना एवं फर्म के मूल्य के सि(ान्त पूँजी संरचना की संबद्धता एवं असंबद्धता

(च) EBIT-EPS विश्लेषण, Breakeven-EBIT विश्लेषण

(छ) न्यून/अधिक पूँजीकरण।

(iv) उत्तोलन

(क) उत्तोलन के प्रकार परिचालन, वित्तीय एवं संयुक्त

(ख) उत्तोलन का विश्लेषण।

3. पूँजी निवेश एवं लाभांश निर्णयन

(i) पूँजी निवेश निर्णयन

(क) पूँजी निवेश निर्णयन का उद्देश्य

(ख) निवेश मूल्यांकन की विधियाँ :

–□भुगतान अवधि, बट्टागत भुगतान अवधि

–□प्रतिलाभ लेखाकंन दर (ARR)

–□अशेष विद्यमान मूल्य (NPV)–NPV का अर्थ, NPV विधि गुण एवं सीमाएँ, NPV विश्लेषण पर काराधान का प्रभाव, NPV विश्लेषण पर मुद्रास्फीति का प्रभाव, NPV विश्लेषण में सक्रीय पूँजी का समायोजन, पूँजी रसद, समतुल्य वार्षिक लागत, समायोजित विद्यमान मूल्य

© The Institute of Chartered Accountants of India

– प्रतिलाभ की आंतरिक दर (IRR)–IRR विधि की सीमाएँ, विविध IRR,

– प्रतिलाभ की संशोधित आंतरिक दर (MIRR) – MIRR की परिभाषा एवं स्पष्टीकरण, MIRR की गणना के लिए प्रक्रम, MIRR पद्धति के गुण

– लाभप्रदता सूचकांक

(ii) पूँजी बजटन निर्णयन में जोखिम एवं अस्थिरता का समायोजन

(क) लाभप्रदता विश्लेषण

(ख) स्थिरता समतुल्य विधि

(ग) जोखिम समायोजित बट्टा दर

(घ) परिदृश्य विश्लेषण

(ङ) संवेदनशीलता विश्लेषण।

(iii) लाभांश निर्णयन

(क) लाभांश के मूल तत्व

(ख) लाभांश के रूप

(ग) लाभांश के निर्धारक

(घ) लाभांश नीतियों की संबद्धता एवं असंबद्धता–परम्परागत पद्धति, वॉल्टर का मॉडल, गॉर्डन का मॉडल, मोडिग्लियानी एवं मिलर (MM) अवधारणा।

4. सक्रीय पूँजी का प्रबंधन

(i) सक्रीय पूँजी का प्रबंधन

(क) सक्रीय पूँजी का प्रबंधन–नकदी एवं लाभप्रदता

(ख) सक्रीय पूँजी वित्तीयन निर्णय–नकदी के प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोत

(ग) सक्रीय पूँजी चक्र (परिचालन चक्र), परिचालन एवं नकद रूपांतरण चक्रों के आधार पर सक्रीय पूँजी की प्रभाविता

(घ) सक्रीय पूँजी आवश्यकता का आकलन

(ङ) प्राप्य राशियों (देनदारों) का प्रबंधन

(च) आढ़त दलाली एवं अर्थदंडता

(छ) देय राशियों (लेनदारों) का प्रबंधन

(ज) स्कन्ध का प्रबंधन

(झ) नकद का प्रबंधन, राजकोष प्रबंधन

(ञ) सक्रीय पूँजी वित्त के बैंक के मानदण्ड

© The Institute of Chartered Accountants of India

विषय सूची

भाग – 1

अध्याय 1 : वित्तीय प्रबंधन का उद्देश्य एवं व्यापकता

अध्याय 2 : वित्तीयन के प्रकार

अध्याय 3 : वित्तीय विश्लेषण एवं नियोजन–अनुपात विश्लेषण

अध्याय 4 : पूँजी की लागत

अध्याय 5 : वित्तीयन निर्णय–पूँजी संरचना

अध्याय 6 : वित्तीय निर्णय–उत्तोलन

भाग – 2

अध्याय 7 : निवेश निर्णयन

अध्याय 8 : पूँजी बजटन में जोखिम विश्लेषण

अध्याय 9 : लाभांश निर्णयन

अध्याय 10 : सक्रीय पूँजी का प्रबंधन

© The Institute of Chartered Accountants of India

विस्तृत विषय सूची : भाग – 1

अध्याय 1 : वित्तीय प्रबंधन के उद्देश्य एवं व्यापकता ..... 1.1 – 1.18

1.1 परिचय 1.1

1.2 वित्तीय प्रबंधन का अर्थ 1.2

1.3 वित्तीय प्रबंधन का विकास 1.5

1.4 वित्त फलन / वित्त निर्णयन 1.5

1.5 वित्तीय प्रबंधन का महत्व 1.7

1.6 वित्तीय प्रबंधन की व्यापकता 1.7

1.7 वित्तीय प्रबंधन के उद्देश्य 1.8

1.8 लाभ *बनाम* मूल्य अधिकतमीकरण सिद्धान्त में मतभिन्नता 1.11

1.9 वित्त कार्यकारी की भूमिका 1.12

1.10 वित्तीय आपदा एवं ऋणशोधना क्षमता 1.14

1.11 संबंधित विषयों के साथ वित्तीय प्रबंधन का संबंध 1.14

1.12 एजेन्सी समस्या एवं एजेन्सी लागत 1.16

सारांश 1.17

आपके ज्ञान का परीक्षण 1.17

समाधान 1.18

अध्याय 2 : वित्तीयन के प्रकार ..... 2.1 – 2.32

2.1 व्यापार की वित्तीय आवश्यकताएँ एवं वित्त के स्रोत 2.1

2.2 वित्तीय स्रोतों का वर्गीकरण 2.3

2.3 वित्त के दीर्घकालीन स्रोत 2.4

© The Institute of Chartered Accountants of India

2.4 उद्यम पूँजी वित्तीयन 2.14

2.5 ऋण प्रतिभूतिकरण 2.15

2.6 पट्टा वित्तीयन 2.15

2.7 वित्त के लघुकालीन स्रोत 2.18

2.8 वित्तीयन के अन्य स्रोत 2.24

2.9 अंतर्राष्ट्रीय वित्त पोषण 2.26

सारांश 2.30

आपके ज्ञान का परीक्षण 2.31

समाधान 2.32

अध्याय 3 : वित्तीय विश्लेषण एवं नियोजन–अनुपात विश्लेषण ..... 3.1 – 3.54

3.1 परिचय 3.2

3.2 अनुपात एवं अनुपात विश्लेषण 3.2

3.3 अनुपातों के प्रकार 3.3

3.4 वित्तीय विश्लेषण के प्रायोक्ता और उद्देश्य : एक सरसरी निगाह 3.23

3.5 वित्तीय निर्णय लेने में अनुपात विश्लेषण के आवेदन 3.25

3.6 वित्तीय राशियों की सीमाएँ 3.26

3.7 वित्तीय विश्लेषण 3.27

3.8 अनुपातों का सारांश 3.28

सारांश 3.43

आपके ज्ञान का परीक्षण 3.44

समाधान 3.47

© The Institute of Chartered Accountants of India

अध्याय 4 : पूँजी की लागत ..... 4.1 – 4.39

4.1 परिचय 4.1

4.2 पूँजी की लागत का अर्थ 4.2

4.3 पूँजी की लागत का महत्व 4.2

4.4 पूँजी की लागत का निर्धारण 4.2

4.5 दीर्घकालिक ऋण की बचत लागत 4.3

4.6 अधिमान अंश पूँजी की लागत 4.13

4.7 समता अंश पूँजी की लागत 4.15

4.8 अनुरक्षित आय की लागत 4.22

4.9 प्रभावी ब्याज की दर (EIR) पद्धति 4.25

4.10 पूँजी की भारित औसत लागत (WACC) 4.26

4.11 पूँजी की सीमांत लागत 4.30

सारांश 4.32

आपके ज्ञान का परीक्षण 4.33

समाधान 4.36

अध्याय 5 : वित्तीय निर्णय–पूँजी संरचना ..... 5.1 – 5.45

5.1 पूँजी संरचना का अर्थ 5.2

5.2 पूँजी संरचना के सिद्धान्त 5.3

5.3 कारक पूँजी संरचना का निर्धारण 5.21

5.4 इष्टतम पूँजी संरचना 5.23

5.5 EBIT–EPS MPS विश्लेषण 5.23

5.6 अति–पूँजीकरण एवं न्यून–पूँजीकरण 5.33

सारांश 5.35

© The Institute of Chartered Accountants of India

आपके ज्ञान का परीक्षण 5.36

समाधान 5.40

अध्याय 6 : वित्तपोषण निर्णय उत्तोलन ..... 6.1 – 6.24

6.1 परिचय 6.1

6.2 उत्तोलन के अर्थ एवं प्रकार 6.2

6.3 परिचालन उत्तोलन 6.3

6.4 वित्तीय उत्तोलन 6.9

सारांश 6.16

आपके ज्ञान का परीक्षण 6.17

समाधान 6.20

© The Institute of Chartered Accountants of India